National Meet of Science Communicators in Indian Languages

Organized by
VIGYAN PRASAR (DST)

@
VIJNANA PARISHAD PRAYAG

(December 13-15, 2012)

जन शिक्षा परिषद् की विज्ञान संचार में भूमिका

डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र*
संयुक्त सचिव
जन शिक्षा परिषद्, इलाहाबाद

*होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र
(टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान)
वी. एन. पुरव मार्ग, मानखुर्द
मुम्बई-400088
Email:kkm@hbcse.tifr.res.in

जन शिक्षा परिषद् का उद्भव

- जन शिक्षा परिषद् यानी, Peoples Council of Education (PCE) एक राष्ट्रीय शैक्षिक निकाय है जिसका पंजीकृत मुख्यालय इलाहाबाद है।
- इसकी स्थापना 15 अगस्त 1995 को हुई तथा सोसायटी ऐक्ट के अंतर्गत 17 जून 1998 को इसका पंजीकरण हुआ।
- जन शिक्षा परिषद् का परिसर यमुनापार नैनी क्षेत्र में विकसित हो रहा है।

जन शिक्षा परिषद् के उद्देश्य

- भारत के लोगों की जनतांत्रिक आवश्यकताओं, अपेक्षाओं तथा सृजनात्मक क्षमताओं के अनुरूप एक नए लोकतांत्रिक, वैज्ञानिक तथा रचनात्मक शैक्षिक तंत्र की खोज, विकास तथा प्रसार, जन शिक्षा परिषद् का एकमेव ध्येय है।
- जन शिक्षा परिषद् के उद्भव के पीछे देश में तमाम व्यक्तियों, संगठनों तथा समूहों द्वारा समय-समय पर शैक्षिक प्रयोग तथा नवाचारों की भूमिका रही है।

प्रेरणास्त्रोत

- देश में ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय, सर सैयद अहमद, तथा अन्यान्य द्वारा शुरुआती प्रयोग,
- स्वातंत्रोत्तर छह दशकों के दौरान कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन, किशोर भारती, एकलव्य, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, लोकभारती ग्राम विद्यापीठ, गुजरात विद्यापीठ, गांधीग्राम के कार्य तथा प्रयास, विशेष तौर पर उल्लेखनीय हैं।

प्रेरणाएं और भी हैं

- नानूभाई भट्ट द्वारा लोकशिक्षा हेतु लोकशाला, तथा गुजरात विद्यापीठ द्वारा नई तालीम, के प्रयास जन शिक्षा परिषद् के बुनियादी आधारशिला हैं।
- सभी के लिए नि:शुल्क तथा समान शिक्षा प्रणाली की नागरिक आकांक्षा और उसका संघर्ष, जन शिक्षा परिषद् के प्रयासों की भावभूमि है।

औपनिवेशिक शिक्षा से दूर...

- जन शिक्षा परिषद्, एक नए शिक्षा तंत्र के निर्माण की वकालत करता है जो आज की शिक्षा प्रणाली से नितांत भिन्न हो क्योंकि वर्तमान प्रणाली औपनिवेशिक प्रणाली का प्रतिनिधित्व करती है।
- परिषद् ऐसी नई शिक्षा प्रणाली चाहती है जो गैरवाणिज्यिक, अहिंसक, गैरभेदभावकारी तथा समरसतापूर्ण हो। इसके लिए जरूरी है कि आज की प्रणाली में मौजूद सभी तरह के वर्ण, जाति, धर्म, पंथ, विश्वास तथा आर्थिक स्तर पर होने वाले भेदभाव दूर हों।

परिषद् के उपकरण

- लोक शिक्षा अधिवेशन
- फ्लॉवर वैली पीपुल्स स्कूल
- लोक विज्ञान संस्थान
- लोक विज्ञान पुस्तकालय
- पीपुल्स यूनिवर्सिटी
- पीपुल्स मेडिकल एण्ड हेल्थ इंस्टीट्यूट
- पीपुल्स टैक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट

लोक शिक्षा अधिवेशन

- प्रथम लोक शिक्षा अधिवेशन सितम्बर 2005 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ था। इसका फोकल थीम था, **साइंस कम्यूनिकेशन**।
- द्वितीय लोक शिक्षा अधिवेशन 5-8 अक्टूबर 2009 में होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र (TIFR) मुंबई में आयोजित हुआ था। इसका केन्द्रीय विषय था, **भारत में विज्ञान शिक्षा**।
- तृतीय लोक शिक्षा अधिवेशन हाल ही में 19-23 नवम्बर 2012 को गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद में आयोजित हुआ है। इसका केन्द्रीय विषय था, **भारत में शिक्षा प्रणाली- संकट तथा बदलता परिदृश्य**।

संगोष्ठी, परिसंवाद, कार्यशाला...

- अप्रैल 2008 में इलाहाबाद में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था जिसका विषय था- आवर प्लैनेट अर्थ इन डैंजर।
- एस.सी.ई.आर.टी. बिहार, ए. एन. साहा इस्टीट्यूट आफ़ सोशल स्टडीज़ तथा साइंस फॉर सोसायटी बिहार, द्वारा "प्री-प्राइमरी ऐण्ड प्राइमरी स्कूल एजुकेशन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन (फरवरी 7-9, 2012)
- फ्लॉवर वैली पीपुल्स स्कूल में नर्सरी, प्राइमरी, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, पीपुल्स टीचर ट्रेनिंग सेंटर, पाठ्यक्रम विकास केन्द्र,

लोक विज्ञान संस्थान

- ज.शि.प. ने लोक विज्ञान संस्थान की स्थापना की है।
- इसके मंत्र हैं; 'हम और हमारा विज्ञान' तथा 'गाँव चलें हम'। इस क्रम में 'हम और हमारा विज्ञान मेला' कार्यक्रम प्रस्तावित है।
- प्रथम लोक शिक्षा अधिवेशन से ही इसकी स्थापना का विचार विकसित हुआ।
- लोक विज्ञान संस्थान एक बहुआयामी तथा बहुपरतीय संस्था होगी जिसके अग्रलिखित अंग होंगे।

मूल आग्रह

- बच्चों, छात्रों, खेतिहरों, महिलाओं, अकुशल तथा अशिक्षित लोगों को वैज्ञानिक जानकारी का अवसर उपलब्ध कराना
- पारंपरिक विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को चिह्नित करना तथा उसे प्रोत्साहन प्रदान करना
- विज्ञान संचार की बेहतर तथा वैकल्पिक विधियां ईजाद करना जो कि समता, बंधुता, आज़ादी तथा मानवीय गरिमा के मूल्यों पर आधारित हों

लोक विज्ञान संस्थान की संरचना: दृष्टिपत्र

- ग्राम लोक विज्ञान केन्द्र, ब्लॉक ग्राम विकास केन्द्र, तहसील लोक विज्ञान केन्द्र, जिला लोक विज्ञान केन्द्र तथा राज्य लोक विज्ञान केन्द्र का एक विस्तृत संजाल तैयार करना
- हर ग्राम लोक विज्ञान केन्द्र में लोकविज्ञान पुस्तकालय, लोक कृषिविज्ञान केन्द्र, लोक स्वास्थ्य विज्ञान केन्द्र, लोक जैवविविधता केन्द्र, लोक जलसंरक्षण केन्द्र तथा लोक हर्बल पार्क की स्थापना के प्रयास होंगे।

चरणबद्ध आयोजन

- शुरू में कुछ चुने हुए पिछड़े जिलों के 15-25 गांव इसमें लिए जाएंगे। फिर इसे 100 गांवों में विस्तारित किया जाएगा।इस कार्य में सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं तथा संगठनों का सहयोग लिया जाएगा।
- जन शिक्षा परिषद्, लोकनियति के इस अहम् अभियान में सबका सहयोग चाहती है।

-:धन्यवाद:-